DEKI
Film Capacitor Solutions

संधारित्रिका

डेकी परिवार द्वारा संचालित, कर्मचारियों की त्रै–मासिक पत्रिका

डेकी इलेक्ट्रानिक्स लि0 जुलाई, 2016 त्रै–मासिक Volume 3, Issue 2

विषय सूची

सुझाव (नई सोच–नई दिशा–सही परिणाम)	1
प्रबन्ध निदेशक का संदेश	2
नई सोच को जन्म लेने दें!	3
मुख्य पृष्ठ का शेष एवं ई. एस. आई. स्मार्ट कार्ड कैंप	4
नये विचार और नयी सोच	5
हेल्थ चेकअप कैम्प	6
आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से बचाव	7-8

संपादकीय

इस त्रै–मासिक पत्रिका (न्यूज बुलेटिन) को इस बार सुझाव, इनोवेशन व नये विचार पर केंद्रित करके प्रकाशित किया जा रहा है। इस अंक में, आप उपरोक्त के अतिरिक्त, कम्पनी में आयोजित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे हेल्थ चेकअप कैम्प, आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए कम्पनी द्वारा किए गये कार्यो तथा प्रशिक्षण के विषय पर जानकारी व झलकियां देख सकेंगे।

आपके सुझाव सादर आमंत्रित है, जिसे आप ई–मेल कर सकते है। आशा है कि यह संस्करण आपको पसंद आयेगा।

संपादक

राजेश मौर्य

वरिष्ठ प्रबंधक – एच आर

सुझाव

(नई सोच–नई दिशा–सही परिणाम)

आप सभी कर्मचारी सुझाव योजना से अवगत हैं तथा सुझाव के महत्व को समझते हैं। सुझाव का सीधा संबंध नये विचारों से है तथा नये विचार के जन्म लेने की एक प्रक्रिया होती है। वह प्रक्रिया यह है कि निरन्तरता में हम अपने कार्यो में सुधार लाने के लिए बुद्धि का अनुसरण करें एवं सुधारों के लिए समर्पित हो जाए। कम्पनी में एवं कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के नये विचार जो मशीन, प्रक्रिया, विधि, स्वास्थ्य व सुरक्षा तथा पर्यावरण, साफ–सफाई आदि से सम्बंधित हो तथा उसमें सुधार की गुंजाईस हो तो सुझाव के माध्यम से अपने विचारों को रखें। आपको आपके विचारों के द्वारा पहचान मिलेगी। सुझाव के क्रियान्यवयन के पश्चात पुरस्कार भी मिलेगा। इससे जहां कार्य स्थल पर विभिन्न प्रकार के सुधार कार्यो को बढ़ावा मिलता है, वहीं कर्मचारी के स्वयं का मानसिक विकास होता है।

आपको ज्ञात है कि अप्रैल 2016 माह में एक खबर प्रकाशित हुई कि मारूति कम्पनी ने वर्ष 2015 – 16 में 281 करोड रूपये की बचत केवल कर्मचारियों द्वारा दिये गये सुझाव के माध्यम से किया। यदि हम मारूति के आंकडों को देखें तो उनके प्रत्येक कर्मचारी ने वर्ष 2015 – 16 में 38 सुझाव दिये तथा कुल सुझाव की संख्या 698640 थी।

हमारे कम्पनी में वर्ष 1999 से जून, 2016 तक के सुझावों का आंकडा अगले पृष्ठ पर दिया गया है। यदि हम अपने कम्पनी के आंकाडो को देखें तो पायेंगे कि मई 2016 के पूर्व प्रति कर्मचारी सुझावों की संख्या औसतन चार से नीचे रही है किन्तु मई 2016 में सुझाओं के ऊपर ध्यान देने से यह संख्या मई माह में 24 तथा जून माह में 17 प्रति कर्मचारी प्रति माह तक पहुँच गई, जो की एक सराहनीय प्रगति है।

शेष पृष्ट 2 पर

प्रबन्ध निदेशक, श्री विनोद शर्मा जी का संदेश

मेरे प्यारे साथियों,

मुझे खुशी है कि एम्पलाई एन्गेजमेन्ट कार्यक्रम के अर्न्तगत ओनरशिप विषय से मैने जो कारवां आरम्भ किया था, उस कारवां को आगे बढ़ाते हुए, विभिन्न विभागाध्यक्षों ने विभिन्न विषयों पर आपको ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। मुझे पूरा विश्वास है कि इस कार्यक्रम से आप सभी को फायदा पहुॅचा होगा तथा कार्य स्थल पर भी आप उसे इम्पलीमेंट कर रहे होगें।

मुझे मई और जून 2016 के सुझावों के ऑकड़ो को देखकर भी खुशी हुई है कि आप लोगों ने सुझावों पर ध्यान देते हुए डेकी के आजतक के इतिहास में प्रति कर्मचारी प्रति माह सबसे अधिक सुझाव देने का कीर्तिमान बनाया किन्तु यह आपको निरन्तर करना पड़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि वर्ष 2016 में आप सभी वर्ष 2015 के मुकाबले दोगुने से अधिक सुझाव देकर एक और कीर्तिमान स्थापित करेंगे। यदि ऐसा होता है तो मैं आप सभी के साथ इसे सेलिब्रेट करना चाहुॅगा।

पिछले महीनों में कम्पनी में कुछ आग लगने की घटनाएं घटित हुई, जिस पर काबू पाने में आप सभी का बहुत ही सराहनीय योगदान रहा। दुर्घटना के पश्चात जो कुछ भी कमियां हमारे संज्ञान में आयी, उस पर प्रबन्धक आपके साथ मिलकर कार्य कर रहें है। हमनें एक समर्पित आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटनें के लिए टीम गठित किया है तथा मुझे खुशी है कि उसका बहुत ही विधिवत् प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। आप सभी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्ण भागीदारी के साथ आपदा से निपटने का कौशल प्राप्त करें।

उद्योगों में सी एफ एल के निर्माण में कमी और एल ई डी बल्ब के उत्पादन के अच्छी तरह से शुरु नही होने के कारण, पिछले कुछ महीनों से माइलर कैपासिटर की मॉग में भारी गिरावट आई है। माइलर लाइन का उत्पादन लगभग आधा हो गया है जो कि अच्छी स्थिति नही है। प्रबन्धकों ने माइलर कैपासिटर में आई गिरावट को पूरा करने के लिए मेटेलाइज्ड कैपासिटर पर फोकस किया है तथा हम सभी प्रयासरत है कि माइलर के अधिक से अधिक आर्डर आएं। हम कैपासिटर के अतिरिक्त भी कुछ नये उत्पादों पर कार्य कर रहे तथा आशा करते है कि जल्द ही हम कोई नया उत्पाद भी बाजार में लेकर आयेंगे।

आप सभी को वर्ष 2015–16 में कम्पनी द्वारा 100 करोड़ का व्यवसाय करने पर बधाई! यह आप सभी के परिश्रम का परिणाम था। वर्तमान वर्ष 2016–17 के लिए हमनें इसमें लगभग 24 प्रतिशत ग्रोथ अर्थात 124 करोड़ का व्यवसाय करने का का लक्ष्य रखा है। आप सभी का योगदान अपेक्षित है। सभी के एकजुट प्रयासों के बिना इसे प्राप्त करना संभव नही होगा।

शॉपफ्लोर के कर्मचारियों का अप्रैजल बिना विलम्ब जुलाई माह में हुआ। बहुत से कर्मचारियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया तो कुछ ने औसत। जिन्हानें औसत प्रदर्शन किया है उन्हें वर्ष 2016–17 में अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए। बहुत सी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद प्रबन्धकों ने आपका इंक्रीमेन्ट समय से करना उचित समझा और किया है।

आप सभी को बहुत–बहुत बधाई एवं मंगलकामनाएं।

विनोद शर्मा

पर्लस ऑफ विजडम

➲ समय और जिन्दगी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है। जिन्दगी, समय का सदुपयोग सिखाती है और समय, जिन्दगी की कीमत बताता है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

नई सोच को जन्म लेने दें!

पृथ्वी पर जो भी जीवित प्राणी है जैसे जीव, जन्तु, पेड़–पौधे, मानव आदि उनमें मानव सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि वह बुद्धिमान है तथा निरन्तर विकास की ओर अग्रसर रहने की सोचता है। इसका यह भी अर्थ नही है कि मानव शुरु से या हमेशा से ही बुद्धिमान रहा है! अगर सभ्यताओं पर गौर करें जैसे सिन्धु घाटी, हडप्पा, मिश्र, मेसोपोटॉमिया, चीन आदि की सभ्यता तो हमें ज्ञात होगा कि मानव पहले नंगे रहता था, कच्चा मांस, पत्ते, फल, फूल आदि खाता था तथा उसमें एवं पशु में बहुत ज्यादा अन्तर नही था किन्तु धीरे–धीरे सभ्यताओं का विकास हुआ। मानव तन ढकने के लिए, पत्ते लपेटते हुए कपड़े के आविष्कार तक पहुँचा, आग का आविष्कार किया, पत्थरों के हथियार निर्मित कर पशुओं का शिकार तथा खेती का आविष्कार किया, कागज एवं आज आधुनिक युग में हम जो कुछ भी देखते है, वह सभी मानव ने आविष्कार किया। आज मानव का दिमाग बहुत विकसित हो चुका है तथा वह सभी जीवों में श्रेष्ठ है।

मानव आरम्भ में संकेतों द्वारा दूसरों को अपनी बात बताता था, उसके उपरान्त संकेतिक लिपि लिखने लगा तथा बाद में भाषा एवं लिपि का आविष्कार किया। विभिन्न देशों एवं प्रदेशों में भिन्न – भिन्न प्रकार के भाषाओं एवं लिपियों का आविष्कार हो गया। मानव ने जो आविष्कार किए, वे सभी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रही। वह सभी आविष्कारों को अगली पीढ़ी को समर्पित करता गया, जिससे नये–नये आविश्कार की कड़िया बनती गई।

आज भी बच्चा वैसे ही जन्म लेता है तथा उसकी समझ भी वही होती है जैसे आदि काल में हुआ करती थीं किन्तु पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश में बहुत कुछ सीख कर बुद्धिमान बनता है। प्रकृति उसमें ऐसी शक्ति भर देती है कि वह अन्य जीवित प्राणियों से भिन्न और बुद्धिमान हो जाता है। परिणाम स्वरुप, आज मानव ने अपनें जीवन को कई गुना बेहतर और आसान बना लिया है किन्तु यह काफी नही है क्यों कि परिवर्तन का होना अनन्त है।

आज हम विश्व के अनेक देशों से बहुत पीछे हैं। इसका जीता जागता उदाहरण यह है कि हम जिस मशीन पर कार्य करते हैं वह किसी दूसरे देश में बनाई गई है और जिसकी बहुत सारी चीजें हम समझ नही पाते तथा उस देश के इंजीनियर का सहारा लेना पडता है।

हमें अपने अन्दर अहंकार को जन्म नही लेने देना चाहिए, इस सच्चाई को मानना चाहिए कि जो बुद्धिमान एवं कर्मठ है उससे हम सीखें। खुले वैश्विकता के कारण सभी देशों का बाजार एक हो गया है। इस सच्चाई को भी मान लेना चाहिए कि बाजार में अच्छा करने के लिए, हमें कदम से कदम मिलाकर ही नही बल्कि अपने प्रतिस्पर्धियों से एक कदम आगे चलना होगा।

इस प्रतिस्पर्धा को जीतने के लिये हमें क्या करना होगा इसका उत्तर ढूढ़ने के लिये कुछ प्रभावशाली एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों के विचारों पर ध्यान दें तो धीरुभाई अम्बानी जी की वह एक लाईन हमें बहुत कुछ सिखाती है कि "कोई कार्य आज पूरा करना है तो आज ही पूरा करो, जिससे दूसरे दिन की शुरुआत एक नई सुबह के साथ–साथ एक नई सोच लेकर आए!" यदि हम इस पर अमल करें तो हमें पूरा विश्वास है कि हम अपनें कार्यों को समय पर और अच्छी तरह से समझकर पूरा कर सकेंगे। कुछ नया करने का भी प्रयत्न करेंगे, जिससे हमारा कार्य आसान होगा तथा बचत भी होगी। जब तक हम अपने कार्यों को विधिवत समझ नही लेते तब तक उसे करने में अधिकतर खराब परिणाम ही हाथ आयेगा।

बहुत से लोग अपने पिछड़ेपन का कारण अपनी किस्मत पर डाल कर बड़े ही आसानी से बच निकलने की सोचते हैं जबकि पिछड़ेपन का कारण जानने के लिये हमें एक पल के लिए इसे भूल कर एकाग्र मन से अपने कार्यो को अधिक अच्छा एवं लोकहित में करने का प्रयत्न करना चाहिए।

लेख : वीर बहादुर सिंह (सहायक–एच आर)

सुझाव (नई सोच–नई दिशा–सही परिणाम)

मुख्य पृष्ठ का शेष भाग.....

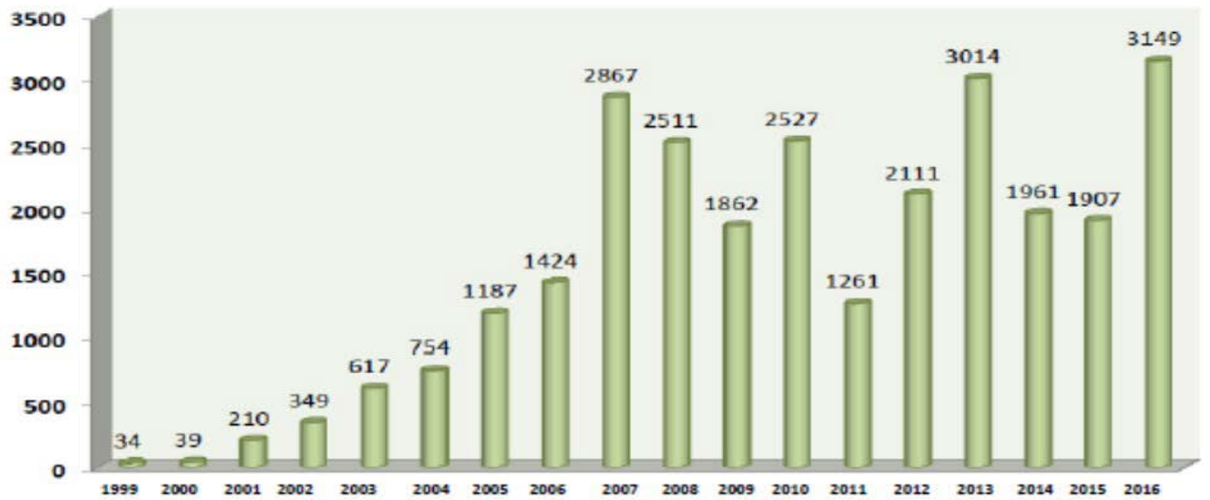

प्रबन्धक यह आशा करते है कि प्रत्येक कर्मचारी वर्ष के आगामी महीनों में कम से कम 18 सुझाव प्रतिमाह दें, जिससे जून 2016 से दिसम्बर 2016 के छमाही में कम से कम मारुति के आधा यानि औसतन 18 सुझाव प्रति कर्मचारी प्रति माह हो सके तथा हम वर्ष 2016 में प्राप्त सुझावों की संख्या को वर्ष 2015 की तुलना में दोगुना कर सकें। यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

आप सभी को उत्साह के साथ सुझाव योजना में भाग लेने के लिये प्रबन्धक बहुत–बहुत धन्यवाद देते है।

डेकी प्रबन्धन

ई. एस. आई. स्मार्ट कार्ड कैंप

कम्पनी में अप्रैल, मई एवं जून माह में लगातार ई. एस. आई. स्मार्ट कार्ड कैम्प का आयोजन किया गया। इन कैम्प में बहुत से नये कर्मचारियों के कार्ड बनवाने का कार्य हुआ।

कर्मचारियों को ज्ञात है कि ई. एस. आई. स्मार्ट कार्ड होने के बहुत से फायदें है तथा ई. एस. आई. के किसी भी अस्पताल में आप स्वयं को एवं अपने परिवार के व्यक्तियों का इलाज करा सकते है।

ई. एस. आई. सी. विभाग आधार कार्ड को ई. एस. आई. नम्बर के साथ लिंक कर रहा है। आपसे अनुरोध है कि आधार कार्ड अवश्य लिंक करवायें।

एच आर डी

"नये विचार और नयी सोच"

हम अपने जीवन काल में कई बार "नये विचार" शब्द को सुनते है पर क्या हमनें इसे समझा है ? शायद नही क्योंकिं हमें इस प्रकार सोचनें की आदत नहीं है। गौर करनें योग्य बात यह है कि जिन आविष्कारों को हम हर पल देखते हैं वे किसी के विचार थे।

पर ऐसा क्या है कि कुछ विचार नये आविष्कार को जन्म देते हैं ? उत्तर है – मनुष्य का कुछ नया कर गुजरनें का जोश।

आइये, अब हम इस प्रक्रिया को समझते हैं। किसी भी वस्तु, प्रणाली इत्यादि को बेहतर बनानें या कार्य को सरल बनानें का अवसर सदैव होता है। इसे पहचानना सबसे पहला कार्य है। अब आपके दिमाग में एक विचार तैयार होता है। दोस्तों, इसे लागू करनें का कार्य हमारे हाथ में है। कोई भी विचार पहली बार में पूर्ण रूप से सही हो यह जरूरी नहीं, पर सुधार करनें का अवसर हमेशा रहता है।

भारत में हम "जुगाड़" शब्द का उपयोग करते हैं, यानि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर किसी कार्य या समस्या का हल निकालना तो ये समझें की "इनोवेशन" का मतलब है "जुगाड़"।

हमारें मस्तिष्क की क्षमता असीमित है। बस प्रयास इस बात का करना है कि हम हमेशा हटकर सोचनें की कोशिश करें और इसका सबसे सरल तरीका है कि आप हर दिन अपने कार्यस्थल एवं घर पर अपने आप से यह प्रश्न करें कि "मै ऐसा क्या कर सकता हूँ कि इस कार्य को करनें का और बेहतर उपाय मिल जाये ?" आप पायेगें कि आपके मस्तिष्क में विचार स्वतः आनें लगेगें और इन्हें साकार करनें का जोश होने से आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

आईये मै और आप मिलकर "नये विचार" की इस सोच को अपने जीवन में ढालें फिर देखिए कितनी संतुष्टि और खुशी प्राप्त होती है।

लेख : इशान त्रिवेदी, आर एण्ड डी विभाग

हॅसगुल्ले

डॉक्टर – अब तुम बिल्कुल ठीक हो, फिर क्यों डर रहे हो ?
मरीज – जिस कार से मेरा एक्सिडेन्ट हुआ था, उस पर लिखा था फिर मिलेगें।

अध्यापक – प्रकृति ने आखें किस लिये बनाई है ?
छात्र – जी देखनें के लिये।
अध्यापक – और कान।
छात्र – जी मुर्गा बनने के लिये।

अध्यापक – भालू के बाल लम्बे क्यों होते है ?
छात्र – जी क्योंकि जंगल में नाई नही होता है।

मनोज कुमार (कर्मचारी संख्या 1010), मेटेलाईज्ड सेक्शन

हेल्थ चेकअप कैम्प

कम्पनी परिसर में दो फ्री हेल्थ चेकअप कैम्प दिनॉक 27 जून 2016 एवं दूसरा दिनॉक 19 जुलाई 2016 को आयोजित किया गया।

दिनॉक 27 जून 2016 को इंटरमेड क्लीनिक, इंदिरापूरम्, गाजियाबाद द्वारा कैम्प का आयोजन हुआ। कैम्प में कर्मचारियों का ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल, बी पी मेजरमेंट, पल्स रेट मेजरमेंट, बॉडी मास इंडेक्स एवं आई चेकअप हुआ तथा दिनॉक 19 जूलाई 2016 को मेट्रो हास्पिटल, सेक्टर–11, नोएड़ा द्वारा फ्री हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन हुआ। इस कैम्प में कर्मचारियों का ब्लड शुगर, ई सी जी, बी पी मेजरमेंट, पल्स रेट मेजरमेंट, बॉडी मास इंडेक्स एवं आई चेकअप मेट्रो हास्पिटल के कुशल डॉक्टरों के माध्यम से हुआ। दोनों कैम्प में कम्पनी के लगभग 250 कर्मचारियों को फायदा हुआ।

हम दोनों हास्पिटल के प्रबन्धकों, डॉक्टरों एवं अन्य कर्मचारियों को कैम्प के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देते है। हेल्थ चेकअप कैम्प की कुछ झलकियॉ नीचे दी गई है।

मेट्रो टीम के साथ ग्रुप फोटो

मेट्रो टीम को मोमेन्टो देते हुए

इंटरमेड क्लीनिक द्वारा हेल्थ चेकअप

मेट्रो टीम के द्वारा हेल्थ चेकअप

आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से बचाव के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

पिछलें दिनों, कम्पनी में छोटी–बडी कुछ आग लगनें की घटनाएं घटीं, जिसमें कम्पनी के कर्मचारियों नें पूरा प्रयास करते हुए आग को बुझाया तथा बडी दुर्घटना घटित होनें से बचा लिया।

आग या किसी भी आपातकालीन परिस्थितियों में जैसे – भूकम्प आना, गम्भीर चोट लगना, मशीन आदि पर कार्य करते हुए बडी दुर्घटना होने पर प्रबन्धकों ने आई. एस. ओ. 14001 तथा स्वास्थ्य एवं व्यवसायिक सुरक्षा 18001 के मानकों के अर्न्तगत लिखित प्रक्रिया निर्धारित की हुई है। उस लिखित एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय–समय पर प्रशिक्षण एवं अन्य कार्य होते रहते है। कम्पनी में आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटनें के लिये विभिन्न उपाय जैसे – पानी का इंजन, पानी का टैंक, हाईड्रेन्ट सिस्टम, होज़ रील, स्मोक डिटेक्टर, रेत की बॉल्टियां, स्प्रिंकलर सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र आदि पूरी संख्या में कारखानें में स्थापित हैं।

प्रबन्धकों नें जुलाई 2016 में पिछली घटनाओं का संज्ञान लेते हुए यह निर्णय लिया कि कम्पनी के अन्दर आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटनें के लिये एक समर्पित टीम प्रत्येक शिफ्ट में और कार्य के दौरान होनी चाहिए। साथ ही साथ, यह भी निर्णय लिया कि आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों को उत्पन्न करने वाली सभी संभावनाओं पर कार्य कर उन्हें समाप्त किया जाए।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्रबन्धकों ने आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटनें के लिये एक टीम का गठन किया है तथा प्रत्येक टीम को पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मलित किया गया है। विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर, उनके कौशल विकास का कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम का वीडियों रिकार्डिंग किया जा रहा है जो यू–टयूब के माध्यम से भविष्य में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए उपलब्ध रहेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियां

आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए – प्रथम टीम का प्रशिक्षण के उपरान्त ग्रुप फोटो

प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियां

आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए – द्वितीय टीम का प्रशिक्षण के उपरान्त ग्रुप फोटो

हाइड्रेन्ट सिस्टम के संचालन का प्रशिक्षण

अग्निशमन यंत्र संचालन का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के उपरान्त नाश्ता करते कर्मचारी

आग बुझाने का प्रशिक्षण रोल प्ले के माध्यम से

डेकी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बी–20, सेक्टर–58, नोएडा उ0 प्र0
वेबसाइट : www.dekielectronics.com, दूरभाष : 0120–2585457/58, ईमेल : rajesh@dekielectronics.com

पर्यावरण को बचाएं। प्रिन्ट तभी करें जब आवश्यक हो।